



लगभग
11,850
युवाओं को मिलेगा
ऑफर लेटर

उत्तरी छोटानागपुर

प्रमण्डलीय

दोजाई मेला

(ऑफर लेटर वितरण)

मुख्य अतिथि

श्री देमन्ता सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्रीमती अञ्जपूर्णा देवी

माननीय सांसद, कोडरमा लोकसभा
सद शिक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार

श्री आलमगीर आलम

माननीय मंत्री, संसदीय कार्य, ग्रामीण विकास,
ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज विभाग, झारखण्ड

श्री सत्यानंद भोक्ता

माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण
एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड

श्रीमती बेबी देवी

माननीय मंत्री, उत्पाद एवं मध्य निषेध विभाग,
झारखण्ड

सम्मानित अतिथि

माननीय सांसदगण एवं माननीय विधायकगण
उत्तरी छोटानागपुर प्रमण्डल, झारखण्ड

दिनांक: 11 सितंबर, 2023 | समय: अपराह्न 1 बजे
स्थान: विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग

संपादकीय

उपचुनाव के बाद एक देश एक चुनाव

दे श मर के छ राज्यों में सात विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनावों ने लिंगित राजनीतिक संकेत दिया। आरतीय जनता पार्टी (माझा) ने तीन और विपक्षी दलों ने चर सीटें जीतीं इन चुनावों में कोड राष्ट्रीय पैटर्न नहीं खोजा जा रहा है जो व्यापक दिया था। आरतीय जनता पार्टी (एसपी) के उमीदवारों से चुनाव हार गए, श्री चोहान ने दलबदल और प्रतिभाव के माध्यम से भाजपा के विस्तार के एक पैटर्न का प्रतिनिधित्व किया। वह माझुदा संघर्ष स्थानीय दलों ने चर सीटें जीतीं इन चुनावों में कोड राष्ट्रीय पैटर्न नहीं खोजा जा रहा है जो व्यापक दिया था। ऊर प्रदेश 2024 में भाजपा की लिंगित के लिए महत्वपूर्ण है, और शारीर उपचुनाव सापा प्रूप्तु



हाँ प्रोफाइल हो गया, जो कुछ समय से अपना सिर छुकाए हुए थे। और शुरूआतीय चोहान के अक्षयकांठ दोनों ने कहीं गंभीरता की थी। भाजपा ने उपचुनाव में अपने बहुतायि टिंडु गढ़बद्धन को मजबूत करने की ओर कामियां की, लेकिन अंत में उस नवदाताओं का समर्थन नहीं दिया। भाजपा ने उत्तराखण्ड में एक सीट बरकरार रखी, जबकि पाश्चात्य बंगाल में वह सतारख तृष्णामुल कोंबेस (टीएससी) के हाथों अपनी माझुदा सीट हार गई। जाहांगर झारखण्ड मुक्ति माझा ने राजखड़ में दुम्रुरी सीट बरकरार रखी। पश्चिम बंगाल के धूपुरगुड़ी में डिडिया लॉक पार्टियों का एक संयोजन देखा गया, जो एक अचूक घटक के विकाफ आमने-सामने थे, जबकि पूर्वों में पूर्णपार्टी के संयोजन एक-दूसरे से लड़ रहा था। धूपुरगुड़ी में, भाजपा और कांग्रेस के बीच तांत्रिक विवाद के तासरे साझावादी टीएससी का विरोध किया और तासरे स्थान पर रहा। टीएससी कांग्रेस और माझपा के बीच गठबंधन को रोकने के लिए उत्तरक है, दोनों गंभीर हैं और पश्चिम बंगाल में असरित के लिए सधिष्ठ कर रहे हैं। केंद्र व नागरिकों के बीच गठबंधन के बारे में भाजपा और कांग्रेस के बीच वाले गोर्ख, कांग्रेस के दिग्गज नागरिकों ने भाजपा की मुख्य रूपी सीट को लेने की ओर लगाए थे। उक्ता बोली वांछी और अमन आमने से छां लां आया। हालांकि इसने बार-बार उपचुनाव को मुख्यमंत्री प्रियांका रुद्र विजयन के शाब्दिक वाक्यों का रूप में तरावर किया था, लेकिन पूर्णपार्टी में वामपार्टीयों का दो बांध नहीं था जिनके विरुद्ध पुराका राजनीतिक प्रसार लाकर सबको विकित कर दिया। पहले सरकार ने 18 से 22 सितंबर के बीच संसद का विशेष चर अयोगित करने की घोषणा कर दी। हालांकि, सरकार ने यथार्जनिक नहीं किया कि विशेष चर की वार्षिकी की तरफ से जो दूसरी राजनीतिक घोषणा की तरफ से जो दूसरी कहा दी गयी। उक्ता बोली वांछी और अमन आमने से छां लां आया। जाहांगर ने राज्य में धूपुरगुड़ी में भाजपा की व्यापक विजय की ओर लगाया। हालांकि इसने बार-बार उपचुनाव को मुख्यमंत्री प्रियांका रुद्र विजयन के शाब्दिक वाक्यों का रूप में तरावर किया था, लेकिन पूर्णपार्टी में वामपार्टीयों का दो बांध नहीं था जिनके विरुद्ध पुराका राजनीतिक प्रसार लाकर सबको विकित कर दिया। पहले सरकार ने 18 से 22 सितंबर के बीच संसद का विशेष चर अयोगित करने की घोषणा कर दी। हालांकि, सरकार ने यथार्जनिक नहीं किया कि विशेष चर की वार्षिकी की तरफ से जो दूसरी

विपक्षी दलों में मची सनातन के विरुद्ध बोलने की होड़, ऐसे जीतेंगे 2024 ?

स

हिष्पुता, उदारता, क्षमा व विश्वास सनातन का मूल है। अन्यथा, जिस देश में 80 फीसदी सनातनी रहते हों वहां सनातन को मिटाने की बात कहना किसके बूते की बात होती है। अर्थ उनको हिम्मत है तो वहीं बयान शेष कीसदी वालों के लिए देक देखें।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम्पके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन के बयान पर पुरे देश में बवाल मचा हुआ है। बवाल सनातन धर्म को लेकर है। हालांकि, उदयनिधि ने अपने बयान पर स्पष्टीकरण दिया है। लेकिन, सनातन को खत्म करने पर ए भी तुले हुए हैं। सवाल यह है कि जो सनातन के विरुद्ध भारत में इस तरह के बयान क्यों आ रहे हैं। वह सच्ची समस्या साजिश है वह पिर सर्वी लोकप्रियता। जो विभिन्न राजनीतिक दलों के लोगों द्वारा इस तरह के बयान के बारे में बोलते हैं। शायद उन्हें लगता होगा कि इस तरह का बयान देने से हम अपने लोकप्रियता में उत्तराधिकारी जिसका कर्तव्य है।

जिसके बाद देश के तीन अलग-अलग न्यायालय में उनके विरुद्ध बोलने की संभवता दिया गया। उसके पश्चात 7 सितंबर को उन्होंने सोशल मीडिया पर सफाई देने हुए पांच पेंज का बयान करना शुरू किया। जिसमें वहीं संभवता दिया गयी है कि उन्होंने लोग रहने हों वहां पर इस तरह का बयान देना आसान है। यह अपने अपर भाजपा के विरोधी है वह किसी अन्य पार्टी से जुड़े हुए है तो वहा आकरोंको किसी धर्म का दुश्मन नहीं हूं में बवान का गलत मतलब निकाला गया। इसके बाद वे बोजेपी की कमियां गिनाने में लग गये। पर सवाल यह है कि आप अगर भाजपा के विरोधी हैं वह किसी अन्य पार्टी से जुड़े हुए है तो वहा आकरोंको किसी धर्म का दुश्मन नहीं हूं में बवान का गलत सपरिषत संख्या है। हैरानी जो इस बात की है कि आप सनातनीयों के बीच जाकर सनातन उच्चलून कार्यक्रम में शामिल होते हैं और वहां पर सनातन को ही बीमार बताकर उसे खत्म करने की बात करते हैं।

उदयनिधि स्टालिन ने 7 सितंबर को सुवह अपना पोर्ट लिखा था और इसी दिन दोपहर को डीपके के दूसरे नेता ए राजा ने सनातन धर्म का दुखलून हुए। और वहां स्वीकृति के दौरान उच्चलून कार्यक्रम में शामिल हुए। और वहां स्वीकृति के दौरान उच्चलून सनातन धर्म की तुलना डेंगू मलेरिया और कांगोन से की। उदयनिधि ने कहा- जिस तरह मलेरिया और कोरोना को खत्म किया जाना जरूरी है उसी तरह सनातन धर्म की ओर भी होती है।

2 सितंबर को तमिलनाडु के सीएम पुरु व सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन चेन्नई में सनातन उच्चलून कार्यक्रम में शामिल हुए। और वहां स्वीकृति के दौरान उच्चलून सनातन धर्म की तुलना डेंगू मलेरिया और कांगोन से की। उदयनिधि ने कहा- जिस तरह मलेरिया और कोरोना को खत्म किया जाना जरूरी है उसी तरह सनातन धर्म भी होती है।

3 सितंबर को उदयनिधि ने सनातन धर्म को खत्म करने की बात पिर दोहराई। उन्होंने कहा कि मैंने केवल सनातन धर्म की आलोचना की



है और सनातन धर्म को खत्म कर दिया जाना चाहिए। ये बात मैं लगाता कर रहा है। 6 सितंबर के दिन चेन्नई में मीडिया से बातचीत में उदयनिधि ने कहा कि वह अपने बयान पर कायम है।

जिसके बाद देश के तीन अलग-अलग न्यायालय में उनके विरुद्ध अधिवक्ताओं ने बरिवाद दायर कराया।

उसके पश्चात 7 सितंबर को उन्होंने सोशल मीडिया पर सफाई देने हुए पांच पेंज का बयान करना शुरू किया। जिसमें वहीं संभवता दिया गयी है कि उन्होंने लोग रहने हों वहां पर इस तरह का बयान देना आसान है। यह अपने अपर भाजपा के विरोधी है वह किसी अन्य पार्टी से जुड़े हुए है तो वहा आकरोंको किसी धर्म का दुश्मन नहीं हूं में बवान का गलत सपरिषत संख्या है। हैरानी जो इस बात की है कि आप सनातनीयों के बीच जाकर सनातन उच्चलून कार्यक्रम में शामिल होते हैं और वहां पर इस तरह का बयान देना आसान है। यह अपने अपर भाजपा के विरोधी है वह किसी अन्य पार्टी से जुड़े हुए है तो वहा आकरोंको किसी धर्म का दुश्मन नहीं हूं में बवान का गलत सपरिषत संख्या है। हैरानी जो इस बात की है कि आप सनातनीयों के बीच जाकर सनातन उच्चलून कार्यक्रम में शामिल होते हैं और वहां पर इस तरह का बयान देना आसान है। यह अपने अपर भाजपा के विरोधी है वह किसी अन्य पार्टी से जुड़े हुए है तो वहा आकरोंको किसी धर्म का दुश्मन नहीं हूं में बवान का गलत सपरिषत संख्या है। हैरानी जो इस बात की है कि आप सनातनीयों के बीच जाकर सनातन उच्चलून कार्यक्रम में शामिल होते हैं और वहां पर इस तरह का बयान देना आसान है। यह अपने अपर भाजपा के विरोधी है वह किसी अन्य पार्टी से जुड़े हुए है तो वहा आकरोंको किसी धर्म का दुश्मन नहीं हूं में बवान का गलत सपरिषत संख्या है। हैरानी जो इस बात की है कि आप सनातनीयों के बीच जाकर सनातन उच्चलून कार्यक्रम में शामिल होते हैं और वहां पर इस तरह का बयान देना आसान है। यह अपने अपर भाजपा के विरोधी है वह किसी अन्य पार्टी से जुड़े हुए है तो वहा आकरोंको किसी धर्म का दुश्मन नहीं हूं में बवान का गलत सपरिषत संख्या है। हैरानी जो इस बात की है कि आप सनातनीयों के बीच जाकर सनातन उच्चलून कार्यक्रम में शामिल होते हैं और वहां पर इस तरह का बयान देना आसान है। यह अपने अपर भाजपा के विरोधी है वह किसी अन्य पार्टी से जुड़े हुए है तो वहा आकरोंको किसी धर्म का दुश्मन नहीं हूं में बवान का गलत सपरिषत संख्या है। हैरानी जो इस बात की है कि आप सनातनीयों के बीच जाकर सनातन उच्चलून कार्यक्रम में शामिल होते हैं और वहां पर इस तरह का बयान देना आसान है। यह अपने अपर भाजपा के विरोधी है वह किसी अन्य पार्टी से जुड़े हुए है तो वहा आकरोंको किसी धर्म का दुश्मन नहीं हूं में बवान का गलत सपरिषत संख्या है। हैरानी जो इस बात की है कि आप सनातनीयों के बीच जाकर सनातन उच्चलून कार्यक्रम में शामिल होते हैं और वहां पर इस तरह का बयान देना आसान है। यह अपने अपर भाजपा के विरोधी है वह किसी अ

